नईदुनिया

खास-खबरें

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में दिवंगत गुरकीरत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में गुरजीत सिंह के पार्श्वनाथ कॉलोनी स्थित निवास पहुंचकर उनके पुत्र दिवंगत गुरकीरत मनोचा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत गुरकीरत के परिजनों से चर्चा कर कनाडा में हुई असामयिक दुःखद मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरकीरत मनोचा के साथ कनाडा में हुई घटना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में दिवंगत गुरकीरत के परिवार के साथ मेरी और प्रदेशवासियों की संवेदनाएं हैं। डॉ. यादव ने कहा कि स्व. गुरकीरत के पार्थिव देह को लाने और उसके अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में होने वाला सम्पूर्ण राज्य सरकार वहन करेगी।

उप मुख्यमंत्री ने सुश्री समीक्षा द्विवेदी को दी उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ

भोपालः उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से सुश्री समीक्षा द्विवेदी ने मंत्रालय में अपने माता-पिता के साथ सौजन्य भेंट की। श्री शुक्ल ने रीवा की बेटी सुश्री समीक्षा के यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 56वीं रैंक प्राप्त करने की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सुश्री समीक्षा द्विवेदी ने इस उल्लेखनीय सफलता से रीवा, विंध्य क्षेत्र और पूरे मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने एचपीवी टीकाकरण अभियान में प्रथम रहने पर स्वास्थ्य विभाग को दी बधाई

भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एचपीवी टीकाकरण अभियान में मात्र 15 दिनों में प्रदेश की 1 लाख से अधिक बेटियों को वैक्सीन लगाकर मध्यप्रदेश के देश में प्रथम रहने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बेटियों को सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध सुरक्षा का सशक्त कवच प्रदान करने के लिए प्रारंभ अभियान के प्रदेश में सफल क्रियान्वयन में इस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सुश्री सुरभि खण्डेलवाल की श्रद्धांजलि सभा आज

भोपालः भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की सुपुत्री सुश्री सुरभि खण्डेलवाल का 11 मार्च को दुखद निधन हो गया था। उनकी पुण्य स्मृति में 18 मार्च बुधवार को बैतूल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। श्रद्धांजलि सभा दोपहर 2 बजे से विजय सेवा न्यास के सामने न्यू बैतूल ग्राउंड, कोठी बाजार में आयोजित होगी। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक बंधु, पार्टी कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक शामिल होकर स्वर्गीय सुरभि खण्डेलवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवी समागम का समापन आज

भोपालः नागरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में स्वयंसेवकों की भूमिका को सशक्त करने के उद्देश्य से 'मध्यप्रदेश नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवी समागम 2026' का समापन 18 मार्च को होमगार्ड्स परेड ग्राउंड, जहांगीराबाद में किया जाएगा। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रहेंगे। इस दौरान नागरिक सुरक्षा गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की जाएगी तथा स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न डेमो का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यावहारिक तैयारियों का प्रदर्शन प्रमुख आकर्षण रहेगा।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने मंगलवार को विधायक सुरेन्द्र पटवा की माताजी के दुःखद निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त की।

विद्यार्थी समाज और देश के विकास में सहयोग दें और बने जिम्मेदार नागरिक : राज्यपाल

सम्राट विक्रमादित्य का नाम जुड़ने पर विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों का बढ़ा गौरव : डॉ. यादव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः सम्राट विक्रमादित्य विश्व विद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह आज राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस मौके पर 74 विद्यार्थियों को उपाधियां, 107 को गोल्ड मेडल और 1 शोधार्थी को डी-लिट् की उपाधि प्रदान की गई।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में बधाई देते हुए उन्हें समाज और देश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि 'आपका शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और देश के उत्थान में भागीदार बनना है।' राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे हमेशा अपने माता-पिता और गुरु के प्रति आभारी रहें और उनके द्वारा दिए गए संस्कारों को जीवन में अपनाएं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़े सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर गर्व महसूस करते हुए इसे शिक्षा का प्रमुख केंद्र बताया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि दीक्षांत समारोह जीवन की एक नई शुरुआत है और वे अपनी आगे की यात्रा में हमेशा सीखते रहें। समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के नवीन कृषि अध्ययनशाला भवन और भर्तृहरि छात्रावास भवन का लोकार्पण भी किया। इसके अलावा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने पिछले एक वर्ष में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस दौरान अकादमिक शोभायात्रा का आयोजन किया गया और सम्राट विक्रमादित्य की मूर्तिशिल्प पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

एक अप्रैल से गेहूँ खरीदी की शुरुआत, 19 लाख किसानों ने कराया पंजीयनः राजपूत

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंगलवार को बताया कि 2026-27 के रबी विपणन वर्ष में गेहूँ की खरीदी 1 अप्रैल से इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में शुरू होगी, जबकि शेष संभागों में 7 अप्रैल से खरीदी की प्रक्रिया शुरू होगी। गेहूँ खरीदी का समय सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा।

श्री राजपूत ने यह भी घोषणा की कि सरकार ने गेहूँ पर 40 रुपये अतिरिक्त बोनस देने का निर्णय लिया है, जिसके तहत गेहूँ की खरीदी अब 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूँ उपार्जन हेतु कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले अधिक है। गत वर्ष 15 लाख 44 हजार किसानों ने पंजीयन किया था। इस वर्ष विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में किसानों ने पंजीयन कराया, जिसमें इंदौर, उज्जैन, धार, मंदसौर, देवास, ग्वालियर, रीवा, सागर और अन्य जिलों के किसान शामिल हैं।

पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता की समीक्षा

भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव रश्मि अरूण शमी ने मंगलवार को मंत्रालय में अधिकारियों और ऑइल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी और घरेलू गैस की आपूर्ति की समीक्षा की।

बैठक में एसीएस शमी ने सिलेन्डर वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। ऑइल कंपनियों ने बताया कि ऑनलाइन बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 84 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत हो गई है। मोबाइल ऐप, एसएमएस, व्हाट्सएप और आईवीआरएस कॉल के माध्यम से बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। घरेलू एलपीजी का उत्पादन 36 प्रतिशत बढ़ा है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकताः परमार

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को, मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में, उच्च शिक्षा विभाग की बैठक लेकर, विभिन्न विभागीय विषयों के अद्यतन प्रगति की समीक्षा की।

श्री परमार ने नवीन संकाय, संकाय उन्नयन एवं विधि महाविद्यालय से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नवीन संकाय एवं स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ करने के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री परमार ने प्रदेश में संचालित शासकीय विधि महाविद्यालयों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर निर्देशित किया कि समस्त मानकों की पूर्ति करते हुए बीसीआई से मान्यता प्राप्त करने एवं विश्वविद्यालयो से संबद्धता प्राप्त करने की कार्यवाही आगामी सत्र प्रवेश प्रारंभ होने से पूर्व सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में विश्वविद्यालयों से उच्च स्तर पर समन्वय स्थापित कर कार्यवाही समय-सीमा में पूर्ण करने को भी कहा।

श्री परमार ने निर्देशित किया कि जन प्रतिनिधियों से प्राप्त होने वाले प्रस्तावों पर, समय-सीमा में परीक्षण कर प्रावधान अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा प्रगति से अनिवार्यतः अवगत भी कराया जाए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि महाविद्यालय में छात्र संख्या के परिप्रेक्ष्य में स्वीकृत शैक्षणिक पदों का युक्तियुक्तकरण किया जाए एवं प्रस्ताव तैयार कर वित्त विभाग को अनुमति के लिये प्रेषित किया जाए जिससे शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हो सके। श्री परमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों के लिए दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने की आवश्यकताः भूरिया

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः दिव्यांग बच्चों को परिवार का स्नेह और सुरक्षित भविष्य दिलाने के उद्देश्य से आज रवीन्द्र भवन में क्षेत्रीय परामर्श बैठक आयोजित की गई।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज की संवेदनशीलता से ही इन बच्चों को बेहतर जीवन मिल सकता है। सुश्री भूरिया ने बताया कि प्रदेश में मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के माध्यम से बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष देश में 4,155 बच्चों को गोद लिया गया, जिनमें से केवल 7 प्रतिशत दिव्यांग बच्चे थे, और इनमें से अधिकांश बच्चों को विदेशी दम्पत्तियों ने अपनाया। महिला बाल विकास सचिव श्रीमती जीवी रश्मि ने कहा कि भारतीय समाज में संस्कारों का अत्यधिक महत्व है, लेकिन दिव्यांग बच्चों के दत्तक ग्रहण में सामाजिक रूढ़ियां बाधक बनती हैं। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण की उप निदेशक श्रीमती ऋचा ओझा ने बताया कि दत्तक ग्रहण की जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न राज्यों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बैठक में बाल संरक्षण और स्वास्थ्य तंत्र के बीच बेहतर समन्वय और दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास पर चर्चा की गई।

मप्र में जल जीवन मिशन 2.0 को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्री-मंडल ने जल जीवन मिशन की अवधि बढ़ाकर इसे जल जीवन मिशन 2.0 के रूप में पुनर्गठित करने की मंजूरी दी है।

अब यह मिशन दिसंबर 2028 तक चलेगा। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित, शुद्ध और नियमित पेयजल की आपूर्ति को सुनिश्चित करना है। इस योजना के लिए केंद्र सरकार ने 3.59 लाख करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है, जबकि कुल व्यय 8.69 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है।

मप्र ने पहले ही दिन केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से इस योजना के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत राज्य को जलापूर्ति की पाइपलाइन से लेकर पूरी अधोसंरचना का निर्माण करने के लिए केंद्रीय मदद मिलेगी। जल शक्ति मंत्रालय में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील, जल शक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना और मप्र से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपत्तिया उइके, प्रमुख सचिव पी. नरहरि सहित केंद्र और राज्य के आला अधिकारी एमओयू के दौरान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस योजना का स्वागत करते हुए कहा कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा और शुद्ध पेयजल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिस भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा में पारदर्शिता और निष्पक्षता पर जोर

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः हाल ही में संपन्न हुई पुलिस भर्ती प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा और आगामी भर्ती प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने उप पुलिस महानिरीक्षकों के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की। श्री मकवाणा ने निर्देशित किया कि आगामी भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, और सभी निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। विभिन्न भर्ती चरणों पर चर्चा करते हुए, अधिकारियों ने फील्ड स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं पर भी विचार किया, जैसे कि दूरस्थ क्षेत्रों से अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुँचने में कठिनाइयाँ। समीक्षा में बताया गया कि भर्ती की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए फिंगरप्रिंट आधारित पहचान सत्यापन, फेस रिकग्निशन सिस्टम, और मेडिकल परीक्षण जैसे सख्त उपाय किए गए थे।

वरिष्ठ शिक्षाविद् माधव परांजपे का निधन, शिक्षा जगत में शोक

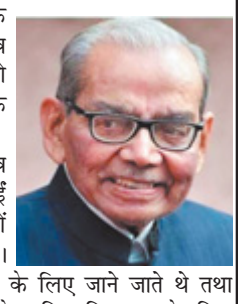

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित शिक्षाविद् माधव परांजपे (95) का आज इंदौर में निधन हो गया। उनके निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर है।

श्री परांजपे ने डेली कॉलेज, वैष्णव हायर सेकेंडरी स्कूल तथा श्री सत्य साईं विद्या विहार, इंदौर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे मूल्य-आधारित शिक्षा और अनुशासन के लिए जाने जाते थे तथा अपने सादगीपूर्ण जीवन और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित थे। वे लंबे समय तक श्री सत्य साईं विद्या विहार से जुड़े रहे और इंदौर, गुना तथा रतलाम के संस्थानों में लगभग 40 वर्षों तक सेवा दी। उनके कार्यकाल में संस्थान ने प्रदेश में विशेष पहचान बनाई। श्री परांजपे अपने कठोर अनुशासन और निष्पक्ष कार्यशैली के लिए प्रसिद्ध थे। वे किसी भी प्रकार के दबाव में आए बिना शिक्षा के मानकों को बनाए रखने के पक्षधर रहे। वृद्धावस्था में भी वे सक्रिय रहे और समय-समय पर शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागिता करते रहे। उनके निधन को शिक्षा क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

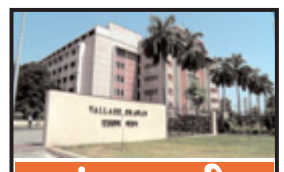

मंत्रालय की गुफ्तगु...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• साहब का पेंटिंग से दुराभाव

मंत्रालय में एक साहब का कक्ष बदला तो मानो पूरा सौंदर्यशास्त्र ही बदल गया। पहले वाले साहब को पेंटिंग्स से बड़ा प्रेम था, सो दीवारें कला से सजी रहती थीं। लेकिन नए साहब को शायद दीवारों पर रंग नहीं, खालीपन ज्यादा भाता है। आते ही फरमान हुआ-पेंटिंग हटाओ। पुराने साहब व्यस्त थे, तो पेंटिंग्स को सम्मानपूर्वक नहीं, सीधे बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। अब गलियारों में चर्चा गर्म है-साहब को पेंटिंग से एलर्जी है या फिर पेंटिंग के साथ पुराने साहब की याद भी हटानी थी।

• कारनामों की फाइल खुलने का डर

खुद को विकास पुरुष और विजनरी कहलवाने के शौकीन साहब भले ही विभाग बदल चुके हों, लेकिन उनकी नजरें अब भी पुरानी फाइलों पर टिकी हैं। वजह साफ है-डर कहीं ऐसा न हो कि पुराने फैसलों की फाइलें खुल जाएं और विकास की परतों के नीचे दबे कारनामे बाहर आ जाएं। उधर नए साहब ने आते ही संदेश दे दिया है कि अब विभाग पुराने साये में नहीं चलेगा। नतीजा यह कि पुराने साहब के खासमखास भी धीरे-धीरे साइड लाइन हो रहे हैं।

• दर्दे दिल की दवा ढूंढ रहे हैं

मंत्रालय में एक युवा साहब इन दिनों फाइलों से ज्यादा अपने दिल की फाइल में उलझे हुए हैं। प्रोवेशन के दिनों में दिल कहीं लग गया था, लेकिन अब दोनों की पोस्टिंग अलग-अलग जगह हो गई। साहब कई बार दिल्ली की परिक्रमा भी कर आए कि शायद उसी इलाके में पोस्टिंग मिल जाए, जहां दिल छोड़ा था। लेकिन किस्मत को शायद यह मंजूर नहीं। नतीजा यह है कि आफिस में फाइलें कम और दर्द भरे नगमे ज्यादा चल रहे हैं।

• घपले-घोटाले किसी के, पेशी किसी की

निर्माण विभाग से जुड़े एक विभाग में नए साहब के लिए कुर्सी कम, कांटों का ताज ज्यादा साबित हो रही है। जैसे ही उन्होंने जिम्मेदारी संभाली, पुराने फैसलों की जांच और अदालतों की तारीखें भी साथ में विरासत में मिल गईं। साहब अब अपने करीबियों से यही कहते सुने जाते हैं- 'घपले किसी और ने किए और पेशी हमारी लग रही है।' मंत्रालय में लोग भी मुस्कुरा कर कहते हैं, कुर्सी बदलते ही जिम्मेदारी भी ट्रांसफर हो जाती है।

• साहब का भंडारा और अधिनस्थों की आफत

धार्मिक आयोजनों के लिए प्रसिद्ध एक बड़े साहब ने हाल ही में संत समागम के दौरान भंडारे का ऐलान कर दिया। भक्ति तो ठीक थी, लेकिन इस आयोजन ने अधीनस्थों की सांसें जरूर अटका दीं। राजधानी से करीब 100 किलोमीटर दूर धार्मिक स्थल पर कार्यक्रम था और संदेश साफ-उपस्थिति अनिवार्य। अब विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भक्ति से ज्यादा यात्रा और व्यवस्थाओं में उलझे नजर आए। भंडारा तो भक्तों के लिए था, पर आफत अधीनस्थों पर टूट पड़ी।

• तालाब चोरी की जांच पड़ गई भारी

राजधानी से सटे एक जिले में जल गंगा और बलराम तालाब अभियान के तहत गांव-गांव तालाब खुदवाए गए और जिले को जल संरक्षित घोषित कर दिया गया। लेकिन एक शिकायत ने पूरी तस्वीर बदल दी। जांच में पता चला कि सैकड़ों तालाब कागजों में ही बह गए। एक साफ छवि वाले अधिकारी जांच के लिए पहुंचे, लेकिन जल्द ही समझ गए कि मामला सिर्फ तालाब का नहीं, पहुंच का भी है। जिनका नाम जुड़ रहा था, उनकी पहुंच ऊपर तक बताई जा रही थी। अब हाल यह है कि तालाब तो कागजों में गायब हैं, लेकिन जांच अधिकारी की मुश्किलें असली में बढ़ गई हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com